an>

Title: Alleged discriminatory treatment against an Indian Women boxer in Asian Games held in South Korea.

श्रीमती रंजीत रंजन (सुपौल) :अध्यक्षा जी, मैं आपके माध्यम से एक खिलाड़ी के विषय में कहना चाहती हूं, जिसे हमारे लिजेन्डरी प्लेयर सचिन साहब ने भी उठाया। हमारी एल. सरिता देवी के साथ एशियाड खेलों में मुक्केबाजी के सेमी फाइनल मैच में जो घटा, वह किसी भी प्लेयर के साथ नहीं घटना चाहिए। आज ए.आई.बी.ए., जो उस पर लाइफ बैन लगाने के बारे में सोच रही है, उसके बारे में मैं आपसे रिक्वेस्ट करूंगी कि इंडिया में, क्रिकेट को छोड़ कर दूसरे खेलों को बहुत ज्यादा सम्मान नहीं मिलता है। यह कहा जा रहा है कि उस खिलाड़ी में स्पोर्ट्स स्पिरिट होनी चाहिए थी। एक महिला बॉक्सर कई सालों तक परिश्रम करके अपनी मेहनत को सफल करने के लिए, इंडिया का झंडा लहराने के लिए एशियाड में गोल्ड मेडल लेने का सपना देखती है और वह उसे लेने ही जा रही थी। इसे हर व्यक्ति ने देखा, हम लोगों ने भी देखा। अगर उसके साथ चीटिंग होती है और उसे यह कहा जाता है कि उसे खेल की भावना रखनी चाहिए तो एसोसिएशन से जुड़े हुए जो लोग हैं, क्या उनमें खेल भावना नहीं होनी चाहिए? चाहे एशियाड गेम्स हों या ओलंपिक, यह कम्प्लेन बार-बार आती है कि हमारे प्लेयर्स को टू-स्टार होटलों में रखा जाता है और उनके साथ जाने वाले जो पदाधिकारी हैं, वे फोर या फाइव स्टार्स होटलों में रहते हैं तो और कितनी खेल भावना हमारे खिलाड़ियों को दिखानी पड़ेगी?

अध्यक्ष महोदया, मैं आपके माध्यम से सदन में कहना चाहती हूं कि सरकार इसमें हस्तक्षेप करे, उनको जो लाइफ बैन लगाने की बात कही जा रही है, उसका विरोध होना चाहिए। निश्चित तौर से उस प्लेयर को बचाना चाहिए, जो कड़ी मेहनत करके अपने देश के झंडे को ऊंचा करते हैं। धन्यवाद।

माननीय अध्यक्ष:

श्री एम.बी. राजेश और

श्रीमती कविता कवलकुंतला को श्रीमती रंजीत रंजन द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।